प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

पाठ्य विषय :

- साहित्येतिहास की अवधारणा।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा तथा मूल स्रोत।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : कालविभाजन और नामकरण की समस्याएँ।
- आदिकाल–विविध नामकरण, मुख्य साहित्यिक प्रवृत्तियां, प्रतिनिधि रचनाकर एवं उनकी रचनाएँ।
- भक्तिकाल (पूर्व मध्यकाल) भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ, भक्तिकाल की विभिन्न काव्य धाराएँ – निर्गुण काव्यधारा : ज्ञानाश्रयी तथा प्रेमाश्रयी धारा, सगुण काव्यधारा : कृष्णभक्ति धारा तथा रामभक्ति धारा और उनकी सामान्य प्रवृत्तियां। भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का वैशिष्ट्य।
- रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल) नामकरण, रीतिकाल की विभिन्न धाराएँ – (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधारा) और उनकी प्रवृत्तियां, रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकर व उनकी रचनाएँ।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास : डॉ0 किशोरी लाल गुप्त
6. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : डॉ0 रामविलास शर्मा
7. हिन्दी साहित्य का अतीत : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
9. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
11. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्यात्मक इतिहास : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
12. सरोज–सर्वेक्षण : डॉ0 किशोरी लाल गुप्त
13. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
14. हिन्दी साहित्य : एक परिचय : डॉ0 त्रिभुवन सिंह
15. आधुनिक साहित्य विकास और विमर्श : डॉ0 प्रभाकर सिंह
16. रीतिकाव्यःमूल्याकंन के नए आयाम : सं0 डॉ0 प्रभाकर सिंह

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

पाठ्य विषय :

- आधुनिक काल – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- आधुनिक काल के प्रमुख कवियों एवं उनकी प्रमुख रचनाओं का परिचय।
- हिन्दी–गद्य की प्रमुख विधाओं (निबन्ध, कहानी,उपन्यास, नाटक) तथा गद्य की विविध नवीन विधाओं– रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, डायरी, फीचर, साक्षात्कार, जीवनी, व्यंग्य आदि का परिचय।
- गद्य–साहित्य की विविध विधाओं के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी प्रमुख रचनाएँ।
- हिन्दी–आलोचना के समकालीन विमर्श – स्त्री विमर्श, दलित विमर्श तथा आदिवासी विमर्श

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल
3. हिन्दी का सामयिक साहित्य : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य : एक आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय
6. हिन्दी कथा साहित्य : गंगा प्रसाद पाण्डेय
7. नया साहित्य : नये प्रश्न : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
8. आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
9. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
11. आधुनिक हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ0 भोलानाथ
12. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : डॉ0 सुमन राजे
13. नारी शोषण : आइने और आयाम : आशारानी ब्होरा
14. स्त्री – उपेक्षिता : प्रभा खेतान
15. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार
16. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : ओम प्रकाश वाल्मीकि
17. दलित विमर्श की भूमिका : कॅवल भारती
18. दलित साहित्य सन्दर्भ : केशव दत्त रूबाली
19. परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डेय
20. स्त्रीमुक्ति संघर्ष और इतिहास : रमणिका गुप्ता
21. हिन्दी काव्य में दलित काव्यधारा : माताप्रसाद
22. आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श : देवेन्द्र चौबे
23. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह

24. तब्दील निगाहें : मैत्रेयी पुष्पा
25. आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य : कुमार वीरेन्द्र
26. एक खाप चौधरी के कुछ आलोचनात्मक सूत्र : प्रो0 रमेश चन्द्र शुक्ल

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

(अ) भाषा विज्ञान :

- भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग।
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
- भाषाओं का वर्गीकरण – पारिवारिक, आकृतिमूलक
- भाषा की परिभाषा, भाषा के विभिन्न रूप– भाषा, विभाषा, बोली, उपबोली, लोक भाषा।
- ध्वनि विज्ञान (स्वन विज्ञान) – उच्चारण–अवयव (वागवयव) ध्वनि–वर्गीकरण, ध्वनि–परिवर्तन कारण और दिशाएँ, ध्वनि–विश्लेषण
- रूप विज्ञान, रूप–परिवर्तन
- अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन कारण और दिशाएँ
- वाक्य विज्ञान–वाक्य–परिवर्तन, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, वाक्य –संरचना और भेद

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ0 बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. भाषा विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4. भाषा विज्ञान : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
5. भारत का भाषा – सर्वेक्षण : डॉ0 ग्रियर्सन
6. भाषा विज्ञान शब्द कोष : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
7. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
8. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ0 मोती लाल गुप्त
9. भाषा विज्ञान और हिन्दी : डॉ0 सरयू प्रसाद अग्रवाल
10. भाषा विज्ञान और मानक हिन्दी : डॉ0 नरेश मिश्र
11. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ0 रामदरश राय
12. अर्थविज्ञान और व्याकरण दर्शन : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी : भाषा एवं लिपि–पंचम एच्छिक विषय

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

खण्ड (क) हिन्दी भाषा

- हिन्दी भाषा : उद्भव–विकास, क्षेत्र, विविध बोलियाँ
- हिन्दी शब्द–समूह (हिन्दी की शब्द–सम्पदा) तत्सम, तद्भव, आगत एवं देशज शब्दावली
- हिन्दी के व्याकरणिक अवयव–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया–विशेषण, अव्यय, उपसर्ग, परसर्ग (कारक), प्रत्यय, लिंग, वचन।

खण्ड (ख) देवनागरी लिपि

- देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास।
- देवनागरी लिपि : वैज्ञानिकता एवं विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि : त्रुटियाँ और सुधार के उपाय, मानकीकरण

हिन्दी की एतिहासिक पृष्ठ भूमि, प्रचीन भारतीय आर्य भषाएँ, मध्यकालीन आर्य भाषाएँ और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ एवं उनका वर्गीकरण, हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की उप भाषाएँ तथाउनकी बोलियाँ, खड़ी बोली, मानक भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, हिन्दी एवं कम्प्यूटर, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास : डॉ0 सत्यनारायण त्रिपाठी
2. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
3. हिन्दी : उद्भव और विकास : डॉ0 हरदेव बाहरी
4. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास : डॉ0 उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
6. हिन्दी भाषा : डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया
7. हिन्दी भाषा : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
8. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
9. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ : डॉ0 नरेश मिश्र
10. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : लक्ष्मीकान्त वर्मा
11. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
12. हिन्दी की शब्द सम्पदा : डॉ0 विद्यानिवास मिश्र
13. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ0 रामदरश राय
14. हिन्दी शब्दानुशासन : डॉ0 किशोरीदास बाजपेयी
15. हिन्दी व्याकरण : कान्ता प्रसाद गुप्त
16. सामान्य हिन्दी : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
17. हिन्दी भाषा और व्याकरण : वासुदेवनन्दन प्रसाद

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

पंचम ऐच्छिक विषय (Subject Elective)

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र

हिन्दी अनुवाद

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

इकाई– 1 :

- अनुवाद के सैद्धांतिक आयाम
- अनुवाद : अर्थ, स्वरूप और विस्तार
- अनुवाद और भाषा का संबंध
- स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा से अभिप्राय
- अनुवाद की प्रासंगिकता

इकाई– 2 :

- अनुवाद की प्रक्रिया
- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार
- अनुवाद की सीमाएँ एवं समस्याएँ

इकाई– 3 :

- अनुवाद पुनरीक्षण–मूल्यांकन
- तत्काल भाषांतरण : अर्थ, स्वरूप और प्रक्रिया
- अनुवाद और तत्काल भाषांतरण में अंतर

इकाई– 4 :

- साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं गद्यानुवाद
- कार्यालयी अनुवाद
- मीडिया और अनुवाद
- बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य में अनुवाद

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. अनुवाद साधना : पूरनचंद टंडन
2. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : संपा0 सुरेश सिंघल, पूरनचंद टंडन
3. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग : नगेंद्र
4. अनुवाद शतक–1 : संपा0 पूरनचंद टंडन
5. अनुवाद शतक–2 : संपा0 पूरनचंद टंडन
6. कम्प्यूटर अनुवाद : पूरनचंद टंडन

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र – छठा इलेक्टिव

पूर्णांक 100 क्रेडिट–04

भाषा के उदभव एवं विकास, लिपि के उदभव एवं विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, भाषा एवं समाज, भाषा एवं संस्कृति, भाषा के विविध रूप, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति आदि विषयों पर लघु शोघ प्रबंध जमा कराना।

अथवा

अनुवाद के उपर सात दिन या 15 दिन कार्यशाला का आयोजन कराना। किसी भी अन्य भारतीय भाषाओं के कृति का विद्यार्थियों में बांटकर छोटे छोटे अनुवाद की प्रक्रिया से रूबरू कराते हुए अनुवाद करवाना अनुवाद के लिये प्रेरित करना। अनुवाद पर कम से कम 05 सेमिनार आयोजित कराना।